Holiday Destinations in India

Department of Posts has been conducting stamp design competition or photography competition on various themes since 2015 on the occasion of Republic Day, Independence Day and Children's Day at national level. Based on the entries received from the participants, stamps are designed and released. Selected participants are given cash awards. This time, a nationwide photography competition on the theme "Holiday Destinations in India" was conducted on the occasion of Independence Day, 2018. Based on the selected entries, Stamps, Miniature Sheets, First Day Covers and Brochures have been designed. The first three winners of Photography Competition are Sh. Sandeep Nema, Sh. Maninder Singh Sodhi and Sh. Pranil Anil Borkar. Five consolation prize winners are Ms. Tina Verma, Sh. Prashant Singhal, Sh. Patel Narayan Dwarkadas, Sh. M. Vinoth Kumar, Sh. Dattaprasad V. Mantri.

India is one of the most diverse and colorful countries in the world. It is home to numerous attractions, amenities and activities. Starting from the valleys of Kashmir to the tri-colored sea of Kanyakumari, tourist attractions abound. Therefore, people from various countries come to India every year to visit these historic sites and places of pilgrimage. During travel, a tourist must assimilate what nature has to offer, what relics of history teach and what life ultimately seeks to convey. Travelling helps the visitors get acquainted with the culture, customs, language and way of life of the local people. Besides, travel brings the much needed relaxation to our mind, body and soul.

Based on the prize-winning entries of the instant competition, two stamps and a Miniature Sheet have been designed. The Miniature Sheet is designed with the photograph showing the Thar Desert and its integral relationship with the local culture. The Thar Desert, also known as the Great Indian Desert, is a large arid region in the northwestern part of the Indian subcontinent. It is the world's 18th largest desert, and the world's 9th largest subtropical desert. The desert provides recreational value in terms of desert festivals organized every year. Rajasthan desert festivals are celebrated with great zest and zeal. This festival is held once a year during winters. Dressed in brilliantly hued costumes, the people of the desert dance and sing haunting ballads of valor, romance and tragedy. The fair has snake charmers, puppeteers, acrobats and folk performers. Camels play a stellar role in this festival, where the rich and colorful folk culture of Rajasthan comes alive. Desert safaris on camels have become increasingly popular around Jaisalmer. Domestic and international tourists frequent the desert seeking adventure on camels. During the safaris, tourists are able to view the fragile and beautiful ecosystem of the Thar Desert.

The prize-winning photographs selected in this competition depict the geographical and cultural diversity of the country. One of the stamps is designed based on the winning photograph showing the City Palace of Udaipur, Rajasthan. Often referred to as the 'Venice of the East', the city of lakes Udaipur is located around azure water lakes and is hemmed in by lush green hills of Aravallis. Udaipur was founded in 1553 by Maharana Udai Singh II as the new capital of Mewar Kingdom. It is located in the fertile, circular Girwa Valley to the southwest of Nagda, which was the first capital of Mewar. The beautiful City Palace adds to the architectural grandeur of the city. The City Palace towers over Lake Pichola. The balconies, cupolas and towers of the palace give a panoramic view of the lake and the surrounding city. The main part of the palace is now preserved as a museum displaying artifacts.

The other stamp depicts the Stone Chariot of Hampi of Karnataka which is also one of the most visited tourist destinations in India. Hampi, also referred to as the Group of Monuments at Hampi, is a UNESCO World Heritage Site located in east-central Karnataka, India.It became the capital of the Hindu Vijayanagara Empire in the 14th century. Hampi's ruins are spread over 4,100 hectares (16 sq mi) and it has been described by UNESCO as an "austere, grandiose site" of more than 1,600 surviving remains of the last great Hindu kingdom in South India that includes "forts, riverside features, royal and sacred complexes, temples, shrines, pillared halls, mandapas, memorial structures, water structures and others". The "Stone Chariot", as it is often referred is the flagship tourist attraction of Hampi. This is not a chariot, as the name suggests, rather a shrine built like a chariot. This stone shrine was built with many giant granite blocks. The joints are smartly hidden in the carvings and other decorative features that adorn the Stone Chariot.

Other prize-winning photographs depicted in First Day Cover and Brochure also display the splendor of tourist destinations in India.

Department of Posts is pleased to issue a miniature sheet and a set of two Commemorative Postage Stamps on Holiday Destinations in India based on the prize-winning entries.

Credits:

Text	:	Based on information available on internet
Stamps/Miniature Sheet/FDC/ Brochure/Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma, based on selected entries received from participants

भारत के पर्यटन स्थल

डाक विभाग गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और बाल दिवस के अवसर पर वर्ष 2015 से विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय स्तर की डाक-टिकट डिजाइन प्रतियोगिता अथवा फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन करता रहा है। इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों से प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर डाक-टिकट डिजाइन किए जाते हैं और इन्हें जारी किया जाता है। चयनित प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस, 2018 के उपलक्ष्य में इस बार 'भारत के पर्यटन स्थल' विषय पर देशव्यापी फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की चयनित प्रविष्टियों के आधार पर डाक-टिकटों के साथ-साथ मिनियेचर शीट, प्रथम दिवस आवरण और सूचना विवरणिका का डिजाइन तैयार किया गया है। फोटोग्राफी प्रतियोगिता के शीर्ष तीन विजेता श्री संदीप नेमा, श्री मनिंदर सिंह सोढी और श्री प्रनिल अनिल बोरकर और सांत्वना पुरस्कार पाने वाले 5 प्रतिभागी सुश्री टीना वर्मा, श्री प्रशांत सिंघल, श्री पटेल नारायण द्वारकादास, श्री एम. विनोद कुमार और श्री दत्ता प्रसाद वी. मंत्री हैं।

भारत विश्वभर में सर्वाधिक वैविध्य और विभिन्न रंगों की छटा से परिपूर्ण देशों में शामिल है। कश्मीर की मोहक वादियों से लेकर कन्याकुमारी के बहुरंगी समुद्र तक यहां पर्यटन के दृष्टिकोण से अनेक दर्शनीय स्थल हैं, जो विभिन्न प्रकार की सुविधाओं और मनोरंजक गतिविधियों के केंद्र हैं। इसलिए, विभिन् देशों से बड़ी संख्या में लोग प्रतिवर्ष ऐतिहासिक स्थानों के भ्रमण और तीर्थ यात्रा के लिए भारत आते हैं। इन यात्राओं के दौरान पर्यटकों को यह अवसर मिलता है कि वे प्रकृति की सुंदरता से लेकर ऐतिहासिक स्थलों के ज्ञान और अंततः हमारे समस्त जीवन में छिपे संदेश को समझ कर आत्मसात कर सकें। यात्रा पर आए सैलानियों को स्थानीय लोगों की संस्कृति, उनके रीति-रिवाजों, भाषा और जीवनशैली से परिचित होने का मौका मिलता है। इसके अलावा, विभिन्न स्थानों की सैर हमारे तन, मन-मस्तिष्क और आत्मा को आराम, शांति और संतुष्टि भी प्रदान करती है।

इस प्रतियोगिता की पुरस्कृत प्रविष्टियों के आधार पर दो डाक-टिकट और एक मिनियेचर शीट डिजाइन की गई है। मिनियेचर शीट पर थार मरुस्थल और स्थानीय लोगों की संस्कृति के साथ इसके अटूट संबंध का चित्रांकन किया गया है। भारत का सबसे बड़ा मरुस्थल थार, भारतीय उप महाद्वीप के उत्तर पश्चिम में फैला विशाल शुष्क भू-भाग है। यह विश्व का 18वां सबसे बड़ा और 9वां उपोष्णकटिबंधीय मरुस्थल है। इस मरुस्थल में प्रतिवर्ष अत्यंत आकर्षक एवं मनोरंजक मेले आयोजित किए जाते हैं। राजस्थान के ये मेले अत्यंत उत्साह एवं उमंग से भरे होते हैं। यह मेला प्रतिवर्ष सर्दियों के दौरान मनाया जाता है। इसमें मरुस्थल के स्थानीय लोग चटक रंगों की पोशाक पहनते हैं और साहस, प्रेम और त्रासदी की गाथाओं के गीत गाते हैं और इन पर नृत्य करते हैं। इस मेले में सपेरे, कठपुतली नचाने वाले, कलाबाज और लोक कलाकार अपनी कलाओं से दर्शकों का मन मोह लेते हैं। ऊंट इस मेले का अभिन्न हिस्सा हैं। इस मेले में राजस्थान की समृद्ध और रंग-बिरंगी लोक संस्कृति जीवंत हो उठती है। जैसलमेर और आस-पास के क्षेत्रों में ऊंट पर रेगिस्तानी इलाकों की सैर लोकप्रिय गतिविधि बन चुकी है। देसी और विदेशी पर्यटक बढ़ी संख्या में रेगिस्तान में ऊंट की सवारी के लिए इस क्षेत्र में आते हैं। रेगिस्तान के इस सफर के दौरान पर्यटक, थार मरुस्थंल के बेहद नाजुक और सुंदर पारिस्थितिक तंत्र को करीब से देख और समझ पाते हैं।

इस प्रतियोगिता के पुरस्कृत फोटोग्राफ, भारत के भौगोलिक और सांस्कृतिक वैविध्य की अनूठी झलक प्रस्तुत करते हैं। एक पुरस्कृत फोटोग्राफ पर आधारित डाक-टिकट के डिजाइन में राजस्थान के उदयपुर सिटी पैलेस का अंकन किया गया है। उदयपुर को 'पूर्व का वेनिस (वेनिस आफ द ईस्ट)' भी कहा जाता है। यह शहर अरावली की हरी-भरी पहाड़ियों की गोद में मोहक नीली झीलों के आस-पास बसा है। उदयपुर की स्थापना महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने 1553 में मेवाड़ साम्राज्य की नई राजधानी के रूप में की थी। यह शहर, मेवाड़ की प्रथम राजधानी नागड़ा के दक्षिण-पश्चिम में स्थित गिरवा की उर्वर और गोलाकार घाटी में स्थित है। सिटी पैलेस इस शहर की वास्तुशिल्पीय सुंदरता में चार चांद लगा देता है। यह महल, पिछोला झील के ठीक ऊपर स्थित है। इसके बरामदे, गुम्बज और मीनारों से झील और आस-पास के शहर का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है। इस महल का मुख्य हिस्सा एक संग्रहालय के रूप में परिवर्तित हो चुका है, जिसमें विभिन्न प्रकार की कलात्मक वस्तुएं प्रदर्शित हैं।

दूसरे डाक-टिकट पर कर्नाटक के हम्पी के शिला रथ का अंकन किया गया है। हम्पी, भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इसे विभिन्न स्मारकों का समूह भी कहा जाता है। कर्नाटक के पूर्व-मध्य भाग में स्थित यह पर्यटक स्थल, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। हम्पी, 14वीं शताब्दी में विजयनगर के हिंदू साम्राज्य की राजधानी बना। हम्पी के अवशेष लगभग 4100 हेक्टेयर (16 वर्ग मील) क्षेत्र में फैले हुए हैं। इस स्थल को यूनेस्को ने ऐसे ''सादगी से भरे विराट स्थल'' के रूप में घोषित किया है, जहां दक्षिण भारत के आखिरी महान हिंदू साम्राज्य के 1600 से अधिक अवशेष मौजूद हैं। इनमें किले, नदी तट के ढांचे, शाही एवं धार्मिक स्थल, मंदिर, पूजा स्थल, स्तंभों पर निर्मित हॉल, मंडप, स्मारक, जल खंडहर आदि ढांचे शामिल हैं। शिला रथ, हम्पी आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यह मात्र एक रथ ही नहीं है, जैसाकि इसके नाम से प्रतीत होता है। बल्कि यह एक पूजा स्थल है, जो रथ के आकार में बनाया गया है। इस स्थल का निर्माण ग्रेनाइट के विशाल खंडों को जोड़ कर किया गया था। इन जोड़ों को छिपाने के लिए सफाई से सजावटी आकृतियां तराशी गई हैं, जोकि इसकी शोभा बढ़ाती हैं।

प्रथम दिवस आवरण और सूचना विवरणिका में दर्शाए गए पुरस्कृत फोटोग्राफ भी भारत के पर्यटन स्थलों की भव्यता को दर्शाते हैं।

डाक विभाग, 'भारत के पर्यटन स्थल' विषय पर पुरस्कृत प्रविष्टियों पर आधारित एक मिनियेचर शीट और दो स्मारक डाक-टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

पाठ	:	इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त सामग्री पर आधारित
डाक-टिकट/मिनियेचर शीट/	:	प्रतिभागियों से प्राप्त चयनित प्रविष्टियों के आधार पर
प्रथम दिवस आवरण/सूचना विवरणिका/विरूपण कैशे	:	श्रीमती अलका शर्मा द्वारा

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	1500 पैसा (2)
Denomination	:	1500 p (2)
मुद्रित डाक-टिकटें	:	5.0 लाख प्रत्येक
Stamps Printed	:	5.0 lakh each
मुद्रित मिनियेचर शीट	:	1.10 लाख
Miniature Sheet Printed	:	1.10 lakh
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्यः ₹ 5.00